

प्रेस विज्ञप्ति

के0जी0एम0यू ने शुरु की अनोखी मुहिम, अब सप्ताह में एक दिन साइकिल से दफ्तर आएंगे मा0 कुलपति और स्टॉफ

आज दिनांक 19 सितंबर 2018 को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए एवं चिकित्सा परिसर में मरीजों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए के0जी0एम0यू प्रशासन ने अनोखी मुहिम शुरु की है।

दरअसल, के0जी0एम0यू प्रशासन ने अब सप्ताह में एक दिन चिकित्सा परिसर में “NO CAR-BUDHWAR” (नो कार बुधवार) नाम से एक अभियान की शुरुआत की है। जिसके तहत मा0 कुलपति प्रोफेसर एम0एल0बी0भट्ट समेत तमाम डाक्टर्स ने प्रत्येक बुधवार को ऑफिस आने के लिए वाहन का इस्तेमाल नहीं करने का फैसला किया है।

इसी अभियान के तहत आज दिनांक 19 सितंबर 2018 को मा0 कुलपति जी के नेतृत्व में विभिन्न संकायों के विभागाध्यक्षों ने के0जी0एम0यू परिसर के कुलपति कार्यालय से लेकर पूरे परिसर में साइकिल रैली निकाली। इसके साथ ही इस अभियान के तहत के0जी0एम0यू परिसर को प्रदूषण मुक्त करने के अपने संकल्प को पूरा करने के लिए मा0 कुलपति ने एक पत्र जारी कर सभी विभागाध्यक्ष, कर्मचारियों एवं स्टूडेंट्स से प्रत्येक बुधवार को कम से कम वाहनों का कम से कम इस्तेमाल करने की अपील की है।

इस अवसर पर मा0 कुलपति ने कहा कि चिकित्सा परिसर मरीजों की चिकित्सा एवं छात्र छात्राओं के शिक्षण एवं प्रशिक्षण की दृष्टि से अत्यंत ही संवेदनशील संस्थान है। उन्होंने कहा कि साइकिल के इस्तेमाल से वातावरण शुद्ध होता है एवं साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए भी काफी लाभदायक है। उन्होंने कहा कि इस मुहिम के द्वारा के0जी0एम0यू का यह प्रयास है परिसर में वाहनों का इस्तेमाल कम हो, जिससे पर्यावरण में सुधार के साथ ही यह संदेश समाज में भी जाए कि साइकिल के इस्तेमाल से स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा और प्रदूषण में भी कमी लाई जा सकती है।

मा0 कुलपति ने साइकिलिंग के फायदे बताते हुए आमजन को भी रोजाना साइकिल का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि सप्ताह में कम से कम 7 घंटे साइकिलिंग करने से स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और अगर ऐसा प्रतिदिन न कर सकें तो सप्ताह में दो या तीन दिन में साइकिलिंग करके स्वास्थ्य रहा जा सकता है।

मा0 कुलपति ने वाई0एम0सी0ए0 की एक स्टडी का हवाला देते हुए बताया कि साइकिलिंग से स्वास्थ्य बेहतर तो होता ही है साथ ही इससे मानसिक खुशी भी मिलती है। उन्होंने साइकिल चलाने के फायदे बताते हुए कहा कि साइकिलिंग से वजन कम करने में आसानी होती है, साथ ही मॉसपेशियों में मजबूती आती है। साइकिलिंग से भूख ज्यादा लगती है और फेफड़े स्वस्थ रहते हैं। साइकिलिंग से अत्याधिक

कैलोरी बर्न होती है, जिसकी वजह से दिल की बीमारी और कैंसर का खतरा कम हो जाता है और प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है।

वहीं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ० एस०एन०शंखवार का कहना है कि हमारा पूरा प्रयास है कि वाहनों के कम से कम इस्तेमाल से चिकित्सा परिसर को प्रदूषण मुक्त करना है। इस दौरान रैली में हिस्सा ले रहे ट्रामा सर्जरी के विभागाध्यक्ष डॉ० संदीप तिवारी का कहना है कि प्रदूषण नियंत्रण एवं आमजनों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए के०जी०एम०यू में पहली बार इस तरह की पहल की गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में कई और संस्थान इस तरह की पहल में शामिल होंगे।

इस साइकिल रैली में मुख्य रूप से एनेस्थीसिया के विभागाध्यक्ष डॉ० जी०पी०सिंह, एमरजेंसी मेडिसिन के विभागाध्यक्ष डॉ० डॉ० हैदर अब्बास, डॉ० सिद्धार्थ कुंवर समेत चिकित्सा विश्वविद्यालय के तमाम डॉक्टरों एवं कर्मचारी शामिल हुए।